647510

BA05HinC011x

Seat No :________

B.A. Semester - 5 (*CBCS*) Examination

Oct/Nov - 2021 (NEW COURSE)

HINDI P11 Hindi Sahitya ka Itihas : Aadhunik Kal(Core -11)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.१ आधुनिक काल की साहित्यिक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.१ आधुनिक काल को गद्यकाल क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.२ हिन्दी गद्य के निर्माता के रूप में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के योगदान की चर्चा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.२ द्विवेदीयुगीन काव्यप्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.३ छायावाद के प्रमुख कवियों का परिचय देते हुए छायावाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.३ राष्ट्रीय काव्यधारा का परिचय देकर प्रमुख राष्ट्रीय कवियों के योगदान की चर्चा कीजिए।

प्रश्न.४ प्रगतिवाद की परिभाषा देकर उसकी साहित्यक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.४ प्रयोगवाद का अर्थ बताकर प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

प्रश्न.५ टिप्पणियाँ लिखिए (किन्हीं दो) (१४)

१. साठोत्तरी हिन्दी कविता।

२. खड़ीबोली गद्य निर्माता।

३. द्विवेदी युगीन प्रबन्ध काव्य।

४. हालावाद और बच्चन।

****

647510

BA05HinC012x

Seat No :_____

B.A. Semester - 5 (*CBCS*) Examination

Oct/Nov - 2021 (NEW COURSE)

HINDI P12 Sahitya Sidhdhant -1(Core -12)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.१ "साहित्य समाज का प्रतिबिंब है।" इस विधान की विस्तृत चर्चा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.१ साहित्य की प्रमुख परिभाषाएँ देते हुए, उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.२ काव्य-प्रयोजन पर विस्तृत चर्चा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.२ काव्य-लक्षण पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

प्रश्न.३ रस सिद्धांत संबंधित विभिन्न आचार्यों के मतों का निरूपण कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.३ शब्द शक्ति के प्रमुख प्रकारों की चर्चा करते हुए, लक्षणा शक्ति का उदाहरण सह विस्तृत परिचय दीजिए।

प्रश्न.४ "रीति काव्य की आत्मा है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.४ ध्वनि सिद्धांत की विस्तृत चर्चा कीजिए।

प्रश्न.५ निम्नलिखित में से किन्ही दो टिप्पणियाँ लिखिए। (१४)

१. काव्य दोष

२. खंडकाव्य के लक्षण

३. दृश्य काव्य

४. साधारणीकरण

****

647510

BA05HinC013A

Seat No :_____

B.A. Semester - 5 (*CBCS*) Examination

Oct/Nov - 2021 (NEW COURSE)

HINDI P13 Hindi Bhasha ka Svarup, Vikas evam Vyakaran(Core -13)

Time: 2:30 Hours

Marks: 70

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.१ "हिन्दी शब्द भंडार विविध भाषाओं द्वारा समृद्ध होता रहा है।", इस विधान को तत्सम, तद्भव, देशज, तथा आगत शब्दावली के द्वारा सोदाहरण समझाइए। (१४)

अथवा

प्रश्न.१ हिन्दी भाषा की उत्पत्ति की चर्चा करते हुए हिन्दी भाषा का परिचय दीजिए।

प्रश्न.२ भारतीय आर्य भाषाओं का संक्षेप में परिचय दीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.२ हिन्दी भाषा के विविध रुपों का परिचय दीजिए।

प्रश्न.३ सर्वनाम की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों की चर्चा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.३ संज्ञा की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न.४ कारक की परिभाषा देते हुए उसके भेदों की उदाहरण के साथ चर्चा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.४ विशेषण की परिभाषा देते हुए उसके भेदोपभेद की चर्चा कीजिए।

प्रश्न.५ टिप्पणी लिखिए। (कोई भी दो) (१४)

१. विस्मयादिबोधक के भेद।

२. वाच्य के भेद बताइए।

३. हिन्दी क्षेत्र को संक्षेप में लिखिए।

४. भाषा एवं बोली के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

****

647510

BA05HinC014A

Seat No :_____

B.A. Semester - 5 (*CBCS*) Examination

Oct/Nov - 2021 (NEW COURSE)

HINDI P14 Aadhunik Hindi Natak : Aashadh ka Ek Din, Dhruvasvamini(Core -14)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.१ नाट्य कला के तत्त्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की आलोचना कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.१ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखकर उद्देश्य समझाइए।

प्रश्न.२ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.२ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की ऐतिहासिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न.३ नाट्य कला के तत्वों के आधार पर 'आषाढ का एक दिन' नाटक का मूल्यांकन कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.३ 'आषाढ का एक दिन' नाटक की आधुनिकता को समजाइए।

प्रश्न.४ 'आषाढ का एक दिन' नाटक में व्यक्त समस्याओं का निरूपण कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.४ 'आषाढ का एक दिन' नाटक में व्यक्त सांस्कृतिकता को समझाइए।

प्रश्न.५ टिप्पणियाँ लिखिए: (किन्हीं दो) (१४)

१. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता।

२. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की भाषा-शैली ।

३. 'आषाढ का एक दिन' नाटक की संवाद-योजना।

४. 'आषाढ का एक दिन' नाटक का अंत।

****

647510

BA05HinC015A

Seat No :_____

B.A. Semester - 5 (*CBCS*) Examination

Oct/Nov - 2021 (NEW COURSE)

HINDI P15 Madhyakalin Hindi Kavya -1: Bhramargitsar, Kavitavali(Core -15)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.१ 'भ्रमरगीतसार' का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.१ महाकवि सूरदास का व्यक्तित्व और कृतित्व लिखिए।

प्रश्न.२ भाव पक्ष एवं कला पक्ष की दृष्टि से 'भ्रमरगीत सार' की समीक्षा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.२ भ्रमरगीत परंपरा के अंतर्गत सूरदास के 'भ्रमरगीतसार' का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न.३ महाकवि तुलसीदास का व्यक्तित्व और कृतित्व लिखिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.३ तुलसीदास कृत 'कवितावली' की विषय वस्तु पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

प्रश्न.४ 'कवितावली' के अनुभूति पक्ष एवं अभिव्यक्ति पक्ष पर प्रकाश डालिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.४ "तुलसी एक उच्च कोटि के समन्वयवादी कवि थे।" - सिद्ध कीजिए ।

प्रश्न.५ टिप्पणी लिखिए । (चार में से किन्हीं दो) (१४)

१. सूरदास की भाषा ।

२. सूरदास की नवधा भक्ति ।

३. तुलसी के राम ।

४. 'कवितावली' की भाषा ।

****

647510

BA05HinC016A

Seat No :_____

B.A. Semester - 5 (*CBCS*) Examination

Oct/Nov - 2021 (NEW COURSE)

HINDI P16 Aadhunik Hindi Nibandh Sahitya : Nibandhayan

(Dr.Keshavdat Ruvali) (Core -16)

Time: 2:30 Hours

Marks: 70

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.१ हिन्दी निबंध का अर्थ, स्वरूप और प्रकारों की चर्चा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.१ बालकृष्ण भट्ट द्वारा लिखित 'आत्म गौरव' निबंध का सारांश लिखिए।

प्रश्न.२ 'समय' निबंध का निबंध कला की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.२ 'हिन्दी भाषा की भूमिका' निबंध में व्यक्त वैचारिकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.३ 'जीवन में साहित्य का स्थान' निबंध में व्यक्त प्रेमचंद के विचारों को स्पष्ट कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.३ 'मजदूरी और प्रेम' निबंध में निरूपित लेखक की संवेदना को व्यक्त कीजिए।

प्रश्न.४ 'राष्ट्रोन्नति में जातीय गर्व की महत्ता' निबंध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.४ 'आदि काव्य' निबंध में रामविलास शर्मा की वैचारिकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.५ टिप्पणियाँ लिखिए (किन्हीं दो) (१४)

१. 'विश्वास' निबंध में व्यक्त चिंतन।

२. 'कुटज' निबंध का सार

३. 'लज्जा और ग्लानि' निबंध में व्यक्त विचार।

४. 'अवशेष' निबंध का सारांश।

****

647510 BA05HinF501B Seat No :_____

B.A. Semester - 5 (*CBCS*) Examination

Oct/Nov - 2021 (NEW COURSE)

HIN Anchalik Upanyas: Maila Aanchal(Foundation)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.१ फणीश्वरनाथ रेणु के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.१ आँचलिक उपन्यासकारों में फणीश्वरनाथ रेणु का स्थान निश्चित कीजिए।

प्रश्न.२ 'मैला आँचल' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.२ उपन्यास कला के तत्वों के आधार पर 'मैला आँचल' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.३ आँचलिकता के परिप्रेक्ष्य में 'मैला आँचल' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.३ 'मैला आँचल' उपन्यास के डॉ. प्रशांत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न.४ 'मैला आँचल' उपन्यास में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। (१४)

अथवा

प्रश्न.४ किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. 'मैला आँचल' उपन्यास का शीर्षक।
२. 'मैला आँचल' उपन्यास का बालदेव।
३. 'मैला आँचल' उपन्यास का परिवेश।
४. 'मैला आँचल' उपन्यास का उद्देश्य।

प्रश्न.५ निम्नलिखित परिच्छेदों का अनुवाद कीजिए। (१४)

(अ) हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

આપણા દેશમાં ધર્મો-સંપ્રદાયોના અનેક ઉપાસના ગૃહ મંદિર, મસ્જિદ, ગિરજાઘર તથા ગુરુદ્વારા છે. બધા જ શાંતિ ઈચ્છે છે પરંતુ શાંતિનું દર્શન ક્યાંય નથી થતું, દરેક સ્થાને કોઈ ને કોઈ આંદોલન ચાલુ જ હોય છે. પથ્થર, સિમેન્ટ, ગારચૂનાથી બનેલા આ ભવ્ય પવિત્ર સ્થાનોથી મનુષ્યની નૈતિકતાને કોઈ તાકાત કેમ નથી મળતી? જરૂરિયાત એ વાતની છે કે આ ધાર્મિક સ્થાનોથી નૈતિકતા અને શાંતિનો સંદેશ પ્રસારિત થાય. આપણે આજે ધાર્મિક ક્ષેત્રમાં આવશ્યકતા છે વૈચારિક ક્રાંતિની, સત્સાહિત્યની અને ચરિત્ર નિર્માણની.

प्रश्न.५(ब) गुजराती में अनुवाद कीजिए:

जिस देश का अन्न जल ग्रहण कर हम बढते हैं और जीवित रहते हैं, उस देश की सेवा करना तथा उसका हितचिंतन करना हमारा पहला कर्तव्य है। तन-मन-धन से अपने देश की सेवा करने का नाम ही सफलता है। यह विवादरहित है कि किसी भी देश की सेवा का भार उसी देश के रहनेवालों पर होता है। देश पर जब किसी प्रकार की आपत्ति आती है, तब कायर भी वीर बन जाते है। हमें तब यह विचार आता हैं कि वे सब वस्तुएँ जिनकी हम प्रतिष्ठा करते हैं, जिनका नाम लेते हैं, जिनको पवित्र समझते हैं, जिनसे प्रेम करते हैं, नष्ट-भ्रष्ट हो जायेंगी और यही विचार देशवासियों को चंडी जैसा प्रचंड रूप धारण करने के लिए बाध्य कर देता है।

****